विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लेक्चर में प्रो. नाहर ने छात्रों को दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

चंडीगढ़, 21 फरवरी (विशेष संवाददाता): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर 'सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है। व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ। इसके बाद समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मोना अरोड़ा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने आधुनिक समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफलता हासिल की।

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज प्रिंसीपल अजय शर्मा राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसिज एंड लिबरल आर्ट्स प्रो. इमेनुअल नाहर का सम्मान करते हुए। (छाया : कमलजीत सिंह)

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
22-Feb-2026
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20260222/20/5/1_1.cms

Divya Himachal 21-2-26

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में संविधान पर गेस्ट लेक्चर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में शुक्रवार को पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स प्रो. इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कालेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिकञ आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है।

Arth Parkash 21-2-26

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लेक्चर में प्रो. नाहर ने दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में शुक्रवार को पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर ÷सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान÷ विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज़ एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है। व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ। इसके बाद समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मोना अरोड़ा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

Dainik Jagran 21-2-26

'संवैधानिक अधिकारों की समझ से बनेगा न्यायपूर्ण समाज'

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में शुक्रवार को पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग द्वारा पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर 'सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया।

मुख्य वक्ता राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज़ एंड लिबरल आर्ट्स प्रो. इमेनुअल नाहर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कालेज के प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा पौधा भेंट करने से हुई। लगभग 200 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने भारतीय संविधान के सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण पर चर्चा की और विद्यार्थियों को संवैधानिक अधिकारों की समझ के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ।

कालेज में आयोजित विशेष व्याख्यान में भाग लेते विशेषज्ञ। कालेज।

Daimik Savera Times 21-2-26

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लैक्चर में प्रो. नाहर ने छात्रों को दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

प्रो. इमेनुअल नाहर का वैलकम करते हुए प्रिंसिपल।

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 20 फरवरी : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 में शुक्रवार को पोस्ट ग्रैजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज़ एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्र म की शुरु आत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लेक्चर में प्रो. नाहर ने छात्रों को दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

देश प्यार चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर "सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज़ एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है।

व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ। इसके बाद समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मोना अरोड़ा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने आधुनिक समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफलता हासिल की।

Divya Himachal 21-2-26

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में संविधान पर गेस्ट लेक्चर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में शुक्रवार को पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स प्रो. इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कालेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिकज आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लेक्चर में प्रो. नाहर ने छात्रों को दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर "सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान" विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है। व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ। इसके बाद समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मोना अरोड़ा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने आधुनिक समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफलता हासिल की।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लेक्चर में प्रो. नाहर ने छात्रों को दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज़ एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को

● प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है।

व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ। इसके बाद समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मोना अरोड़ा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने आधुनिक समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफलता हासिल की।

विश्व सामाजिक न्याय दिवस पर आयोजित लेक्चर में प्रो. नाहर ने छात्रों को दी संवैधानिक अधिकारों की जानकारी

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर 'सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान' विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर एवं डीन, सोशल साइंसेज एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है।

व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ। इसके बाद समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मोना अरोड़ा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम ने आधुनिक समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में भारतीय संविधान की प्रासंगिकता के प्रति जागरूकता फैलाने में सफलता हासिल की।

Punjab Kesari 22.2.26

सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की

भारतीय संविधान के प्रस्तावना में सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर डाला प्रकाश

चंडीगढ़, 21 फरवरी (रश्मि हंस): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में पोस्ट ग्रैजुएट समाजशास्त्र विभाग की ओर से पीएम-उषा (रुसा) योजना के तहत विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर "सामाजिक न्याय और भारतीय संविधान" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रोफैसर एवं डीन, सोशल साइंसेज़ एंड लिबरल आर्ट्स प्रो.इमेनुअल नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा और समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मोना अरोड़ा द्वारा मुख्य वक्ता को पौधा भेंट करने से हुई। इस कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकों और लगभग 200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. नाहर ने अपने संबोधन में भारतीय संविधान के प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय के संविधानिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य संवैधानिक प्रावधानों जैसे मौलिक अधिकार, राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए लागू सकारात्मक कार्रवाई नीतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले और कमजोर वर्गों के लिए समानता, गरिमा और न्याय को बढ़ावा देने का एक सशक्त उपकरण है।

व्याख्यान में प्रो. नाहर ने सामाजिक न्याय को प्राप्त करने में समकालीन चुनौतियों पर भी चर्चा की, जिनमें जाति आधारित भेदभाव, लैंगिक असमानता और आर्थिक अंतर शामिल हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों को समझें और एक अधिक न्यायपूर्ण एवं समावेशी समाज बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों और मुख्य वक्ता के बीच एक इंटरैक्टिव प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ।